गृहकार्य

कक्षा छठी (6th)
विषय हिन्दी
व्याकरण पाठ :- वर्ण विचार

1.प्र० वर्ण किसे कहते हैं?
उ० भाषा की सबसे छोटी ईकाई जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते वर्ण कहलाते हैं। जैसे अ, आ इ ई .... आदि।

2.प्र० वर्ण माला किसे कहते हैं?
उ० वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

3प्र० वर्ण के कितने भेद हैं
उ० वर्ण के तीन भेद हैं

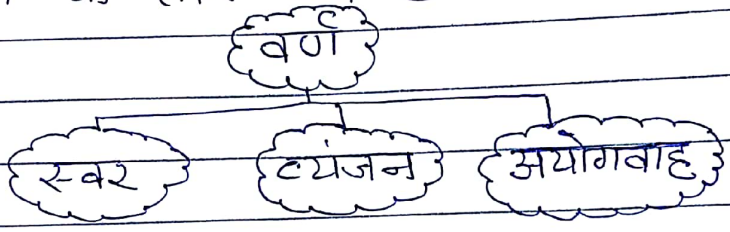

4प्र० स्वरों की संख्या कितनी है?
उ० हिन्दी भाषा में स्वरों की संख्या 11 है।
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ ऋ, ए, ऐ, ओ औ
अं तथा अः अयोगवाह हैं।

5प्र० व्यंजन संख्या में कितने हैं?
उ० व्यंजन संख्या में 33 हैं
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह

Scanned with CamScanner

Date
Page No.

6 प्र० स्वर

उ० परिभाषा :→ जो वर्ण बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता के स्वतंत्र रूप से बोले जाते हैं स्वर कहलाते हैं।

7 प्र० स्वरों के भेद कितने हैं नाम बताइए।

उ० उच्चारण पर लगने वाले समय के आधार पर स्वरों के तीन भेद हैं।

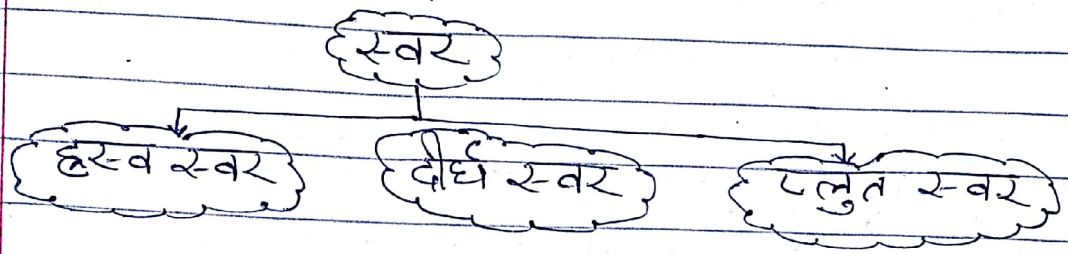

व्यंजन

8 प्र० परिभाषा :- जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से होता है वे व्यंजन कहलाते हैं। — — — —

9 प्र० व्यंजन के तीन भेद हैं

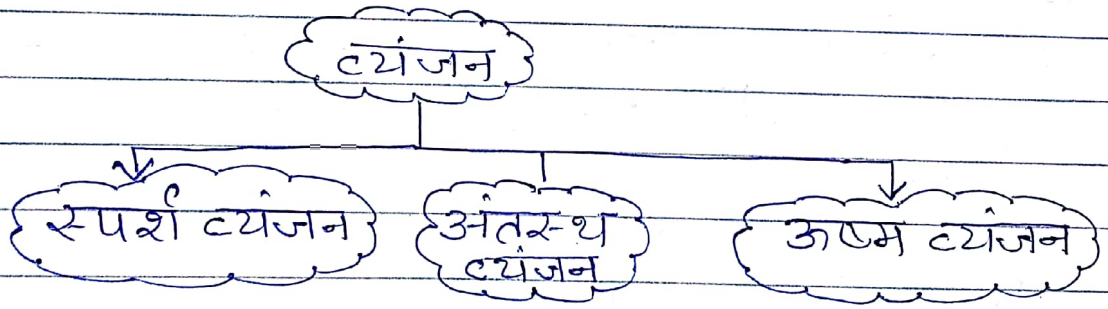

10 प्र० संयुक्त व्यंजन कौन से हैं?

उ० दो भिन्न व्यंजनों के योग बने वर्ण संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं जैसे :-

क्ष = क् + ष - क्षमा, क्षत्रिय, कक्षा
त्र = त् + र - पत्र, चित्र, त्रिकोण
ज्ञ = ज् + ञ - ज्ञात, ज्ञान, यज्ञ
श्र = श् + र - श्रम श्रमिक श्रेष्ठ

Scanned with CamScanner

Page No.

11 प्र० द्विवित्व व्यंजन किसे कहते है।
उ० दो समान व्यंजन ध्वनियों से बने संयुक्त व्यंजन द्विवित्व व्यंजन कहलाते हैं। जैसे :-
च् + च = च्च - कच्चा, बच्चा, सच्चा
क् + क = क्क - पक्का, चक्का, सिक्का
त् + त = त्त - कुत्ता, पत्ता, छत्ता

12 प्र० रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए :-
(क) जिन स्वरों के उच्चारण में सबसे कम समय लगता है ह्रस्व स्वर कहलाते हैं।
(ख) स्पर्श स्वर संख्या में 25 होते हैं।
(ग) अ वर्ण की कोई मात्रा नहीं होती।
(घ) र व्यंजन का रूप अन्य व्यंजनों के साथ मेल
(ङ) होने से (ं) धर्म (्) ग्रह तथा ट्रक में बदल जाता है

13 प्र० आगत ध्वनियों के उदाहरण दीजिए :-
उ० हिन्दी भाषा में विदेशी भाषाओं के शब्दों के साथ आई ध्वनियाँ आगत कहलाती है जैसे
ऑ (अंग्रेजी) डॉक्टर, ऑफिस, हॉल, कॉलेज
ज़ (उर्दू) सज़ा, ज़रा, ज़मीदार
फ़ (उर्दू फारसी) कफ़न, खफ़ा, फ़न

14 प्र० निम्न लिखित के दो-दो शब्द लिखिए :-
(क) द्विवित्व व्यंजन :- लड्डू, चम्मच
(ख) अनुनासिक :- साँप, गाँव
(ग) संयुक्त व्यंजन :- क्षेत्र, श्रीमान्

पत्र

Scanned with CamScanner

पत्र

अपने मित्र को पत्र लिखकर साक्षरता अभियान के अंतर्गत आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण दीजिए।

रागोर, विजयपुर
10 अप्रैल 2020

प्रिय मित्र,

तुम्हारा पत्र पढ़कर खुशी हुई कि तुम साक्षरता अभियान में भाग ले रहे हो।

मित्रवर! हम कुछ साथियों ने अपने क्षेत्र के निरक्षरों को साक्षर बनाने का संकल्प लिया है। हर सदस्य को दस निरक्षरों को साक्षर बनाना है। इस तरह लगभग 100 निरक्षर लोगों को पढ़ाने का कार्य शुरू भी कर दिया है। हमारे काम को क्षेत्र के अखबारों व सरकार ने भी सराहा है। आशा है कि तुम इससे प्रेरणा लेकर अपने क्षेत्र में भी ऐसे ही कार्य करोगे।

तुम्हारा मित्र,
नाम -

Scanned with CamScanner

अपनी छोटी बहन को पत्र लिखिए, जिसमें परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने पर उसे बधाई दी गई हो।

परीक्षा भवन
दिनांक- 10 अप्रैल 2020

प्रिय सीमा,

तुम्हारा पत्र मिला, जिसे पढ़कर मन बहुत खुश हुआ। मैं जानती हूँ कि तुमने वर्ष भर खूब मन लगाकर जो पढ़ाई की थी, यह उसी का परिणाम है। मुझे उम्मीद है कि तुम भविष्य में भी परिश्रम करती रहोगी मुझे आशा है कि तुम इसी तरह सदा अच्छे अंक प्राप्त करती रहोगी। हम सब तुम्हारी इस सफलता से अत्यंत खुश है। भगवान तुम्हे स्वस्थ रखे।

तुम्हारी बहन,
नाम -

Scanned with CamScanner

निबंध

स्वच्छ भारत अभियान

भारत की संस्कृति सदा पवित्रता एवं स्वच्छता पर बल देती है। स्वच्छ भारत का सपना महात्मा गांधी जी ने देखा था, उन्होंने अपने सपनों को साकार करने के लिए अनेक प्रयास किए। उन्हीं के सपनो को साकार करने के लिए भारत सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान चलाया। इसके अंतर्गत यह मिशन २ अक्तूबर २०१४ को महात्मा गांधी की 145 वीं जयंती के शुभ अवसर पर यह अभियान शुरु किया। इसे २ अक्तूबर २०१९ तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अपने उद्देश्य की प्राप्ति तक भारत में इस मिशन की कार्यवाही निरंतर चलती रहनी चाहिए। नीचे कुछ बिंदु दिए गए हैं जो स्वच्छ भारत अभियान की आवश्यकता को दिखाते हैं:-

1. हम घर में शौचालय हो।
2. हाथों से की जाने वाली साफ़-सफ़ाई की व्यवस्था जड़ से समाप्त करना आवश्यक है।
3. भारत को स्वच्छ और हरियाली युक्त बनाना।

Scanned with CamScanner

यदि भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े कार्य सुचारु रूप से कार्यान्वित होते रहें, तो निश्चय ही भविष्य में भारत स्वच्छता का वह रूप पा लेगा, जिसका स्वप्न महात्मा गांधी ने देखा था।

निबंध- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो)

आधुनिक काल में अंतरिक्ष अनुसंधान प्रत्येक देश के लिए अनिवार्य है। इसी कारण भारत ने भी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की स्थापना की। इसका मुख्यालय कर्नाटक में है। इसकी स्थापना भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू और वैज्ञानिक विक्रम साराभाई के प्रयासों से 1962 में की गई। इसरो में 1980 में रोहिणी उपग्रह बनाया गया।

इसरो ने चंद्रमा की परिक्रमा के लिए चंद्रयान-1 भेजा और 22 अक्तूबर 2008 को मंगल ग्रह की परिक्रमा के लिए मंगल

Scanned with CamScanner

ऑर्बिटर मिशन बनाया।

इसरो को शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए साल 2014 के 'इंदिरा गांधी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी कामयाबी, इसरो द्वारा 104 सैटेलाइट का प्रक्षेपण एक साथ करना है। भारत एक रॉकेट से 104 उपग्रहो को अंतरिक्ष में भेजकर इस तरह का इतिहास रचने वाला पहला देश बन गया है।

हमें इसरो की क्षमताओं व योग्यताओं पर पूर्ण विश्वास है। वह समय दूर नहीं जब इसरो इसी प्रकार नए इतिहास रचकर भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान की दुनिया में प्रथम स्थान पर पहुँचा देगा।

Scanned with CamScanner